गांधी सागर अभयारण्य में चीतों का पुनर्वास

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश सरकार ने गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य को चीतों के लिये नया आवास बनाने की तैयारियाँ पूरी कर ली हैं।

मुख्य बिंदु:

- केन्या और दक्षिण अफ्रीका की टीमों ने चीतों के पुनर्वास के लिये स्थितियों का आकलन करने हेतु पहले ही गांधी सागर का दौरा किया था।
- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **राज्य वन्यजीव बोर्ड** की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें बताया गया कि तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।
- कान्हा, सतपुड़ा **और संजय बाघ अभ्यारण्यों** से शिकार जानवरों को गांधी सागर में स्थानांतरित किया गया।
- महत्त्वाकांक्षी चीता पुनर्वास परियोजना के तहत, 17 सितंबर, 2022 को मध्य प्रदेश के श्योपुर ज़िले में कुनो राष्ट्रीय उद्यान (KNP) में **आठ नामीबियाई चीता**, पाँच मादा और तीन नर को बाड़ों में रखा गया।
- फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीते लाए गए।
- बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मध्य प्रदेश के वनों में **गैंडे** और अन्य दुर्लभ एवं संकटग्रस्त वन्य जीवों को लाने की संभावनाओं पर अध्ययन करने के निर्देश दिये।
- **मंदसौर ज़िले में गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य** श्योपुर में कुनो राष्ट्रीय उद्यान से लगभग 270 किमी. दूर है।
- चीतों का दूसरा निवास स्थल 64 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है।

कान्हा टाइगर रिज़र्व

- कान्हा टाइगर रिज़र्व **मध्य प्रदेश के दो ज़िलों- मंडला (Mandla) और बालाघाट (Balaghat)** में 940 वर्ग किमी. के क्षेत्र में फैला हुआ है।
- वर्तमान कान्हा टाइगर रिज़र्व क्षेत्र पूर्व में **दो अभयारण्यों- हॉलन (Hallon) और बंजार (Banjar) में विभाजित था। वर्ष 1955 में इसे कान्हा नेशनल पार्क का दर्जा दिया गया तथा वर्ष 1973 में कान्हा टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया।**
  - कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मध्य भारत का **सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है।**

सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व

- सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व मध्य प्रदेश के **होशंगाबाद ज़िले** में है। **बाघ संरक्षण केंद्र** के रूप में प्रसिद्ध यह क्षेत्र **वन्यजीवों और वनस्पति विविधता से भी समृद्ध** है।
- बाघ के अलावा यहाँ **तेंदुआ, इंडियन बाइसन, इंडियन जायंट स्क्वीरल, सांभर, चीतल, हरिण, नीलगाय, लंगूर, भालू, जंगली सूअर** सहित विभिन्न वन्यजीव पाए जाते हैं।
- इसमें ऐतिहासिक और **पुरातात्त्विक महत्त्व** की 300 से अधिक गुफाएँ हैं।

संजय टाइगर रिज़र्व

- संजय-दुबरी राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिज़र्व की **स्थापना वर्ष 1975 में** ज़िले के जैवविविधता से समृद्ध वन क्षेत्र के संरक्षण के लिये की गई थी। इसमें **सदाबहार साल के वन** शामिल हैं।
- यहाँ पाई जाने वाली प्रमुख प्रजातियाँ हैं **बाघ, भालू, चीतल, नीलगाय, चिंकारा, सांभर (पहाड़ी इलाकों तक सीमित और बहुत कम संख्या में), तेंदुआ, ढोल (जंगली कुत्ता), जंगली बिल्ली, लकड़बग्घा, साही, सियार, लोमड़ी, इंडियन वुल्फ, अजगर, चार सींग वाला मृग तथा बार्किंग डियर।**

चीता (Cheetah)

सामान्य नाम: एशियाई चीता

वैज्ञानिक नाम: *एसिनोनिक्स जुबेटस (Acinonyx jubatus)*

- *एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस* (एशियाई चीता)
- *एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस* (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

एशियाई चीता

- **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की **त्वचा; एशियाई चीते से मोटी**
  - ***चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता***
  - *पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं*
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:* सुभेद्य (Vulnerable)**
- **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
  - ***हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल***
  - ***केवल ईरान में पाए जाते हैं;*** *देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल **12** चीते शेष हैं।*
- **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को **आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त** घोषित किया गया
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:* घोर संकटग्रस्त (Critically Endangered)**

अफ्रीकी चीता

भारत में चीतों का पुनर्वास:

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC** द्वारा **"भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना"** जारी की गई थी। (जनवरी **2022**)
  - *इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष **2009** में प्रस्तावित की गई थी।*
- सितंबर **2022** में **नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।**
  - *इन आठ चीतों को **मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान** में स्थानांतरित किया जाएगा।*
- नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण **विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।**

DRISHTI IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/reintroduction-of-cheetahs-in-gandhi-sagar-sanctuary